>

Title: Need to restart Graphite Project in Palamu, Jharkhand to address the problem of unemployment in the area.

श्री कामेश्वर बैठा: सभापति महोदय, मैं सदन के माध्यम से शून्य काल के दौरान अपने संसदीय क्षेत्र के पलामू जिले के अन्तर्गत वैट तकनीक पर आधारित बंद पड़े जपला सीमेंट फैक्ट्री को व हमारे क्षेत्र के तमाम माइन्स चाहे कोयले की माइन्स हों या बॉक्साइट की माइन्स हों या ग्रेफाइट की माइन्स हों, इन तमाम माइन्स के मामले पर वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार का ध्यान आकर्Âि◌ात करना चाहूंगा।

मेरा संसदीय क्षेत्र बेरोजगारी, भुखमरी, सामन्तों का उत्पीड़न, जनता का पलायन, प्राकृतिक आपदा तथा उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र है। इस क्षेत्र में मात्र एक जपला सीमेंट फैक्ट्री थी जिसकी स्थापना वÂर्ष 1921 में की गई थी जिससे स्थानीय जनता रोजी-रोटी अर्जित कर रही थी। बेकारी की समस्या कुछ हद तक दूर हो रही थी और राज्य सरकार को राजस्व की प्राप्ति हो रही थी जिसे एकाएक बंद कर दिया गया।

राज्य गठन के बाद झारखंड औद्योगिक नीति 2001 के अन्तर्गत पुनर्वास समिति दिनांक 17-12-2003 की बैठक में इस इकाई को दुबारा चालू करने के मामले पर विचार किया गया।

महोदय, आज देश में श्रम शक्ति को बढ़ाने और बेरोजगारी दूर करने के लिए भारत सरकार तरह तरह की औद्योगिक नीति अपना रही है। ऐसी विषम परिस्थिति में इसे बंद करना औद्योगिक नीति तथा श्रम शक्ति के विरुद्ध है।

पुन: 20-07-2007 को लाइम स्टोन माइनिंग लीज के पुनर्नवीकरण के संबंध में विचार किया गया। कब तक सरकार विचार करती रहेगी? यह बात मेरी समझ में नहीं आती।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: That is all. Please take your seat. Whatever you wanted to say, you have already said.

...(*Interruptions*)

श्री कामेश्वर बैठा : इसलिए झारखंड औद्योगिक नीति 2001 एवं झारखंड उद्योग पुनर्वास योजना 2003 के आलोक में इस फैक्ट्री को चालू करने के लिए तुंत प्रमोटर से प्रस्ताव प्राप्त करने की मांग करता हूं। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Now, nothing will go on record.

(Interruptions)